



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 40]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 18, 1997/आश्विन 26, 1919

No. 40]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 18, 1997/ASVINA 26, 1919

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य क्षेत्र, प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा विधि  
के अंतर्गत बनाए गए और जारी किए गए साधारण सांविधिक नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप नियम आदि सम्मिलित हैं)

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries  
of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities  
(other than the Administration of Union Territories)

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1997

सा.का.नि. 350.—भारत के राजपत्र में सा.का.नि.  
सं. 72 के अधीन प्रकाशित इस विभाग की दिनांक  
31-1-1997 की समसंख्यक अधिसूचना में शीर्षक "संक्षिप्त  
नाम और प्रारंभ" में वर्ष "1996" के स्थान पर "1997"  
प्रतिस्थापित किया जाए।

यह 19-5-1997 को जारी समसंख्यक शुद्धि-पत्र के  
क्रम में है।

[सं. 213/4/94-ए.वी.डी.-II]  
हरि सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL PG AND  
PENSIONS

(Department of Personnel &amp; Training)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 10th September, 1997

G.S.R. 350.—In this Department's Notification of  
even number dated 31-1-1997 published under  
G.S.R. No. 72 in the Gazette of India, dated  
1-2-1997 the year "1996" in the head "Short title  
and commencement be substituted by "1997".

This is in continuation to the corrigendum of even  
number issued on 19-5-1997.

[No. 213/4/94-AVD. II]  
HARI SINGH, Under Secy.

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 1997

सा.का.नि. 351.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सीमा-शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विभाग, समुद्री संगठन, समूह "ग" और समूह "घ" पद भर्ती नियम, 1994 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सीमा-शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विभाग, समुद्री संगठन, समूह "ग" और समूह "घ" पद भर्ती (संशोधन) नियम, 1997 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सीमा-शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क विभाग, समुद्री संगठन, समूह "ग" और समूह "घ" पद भर्ती नियम, 1994 की अनुसूची में स्क्रिपरमेट के पद से संबंधित क्रम संख्यांक 1 के समाने,

(क) स्तम्भ 10 के अधीन टिप्पण के स्थान पर निम्नलिखित टिप्पण रखा जाएगा, अर्थात् :—

टिप्पण : "ऐसे टिडल/पूखानी/ज्येष्ठ डाकहैड/नाविक को जो विभागीय प्रोन्नति समिति के साक्षात्कार में अर्हता प्राप्त है 9(क) (i) और (ii) से छूट दी जा सकेगी"।

(ख) स्तम्भ 13 के अधीन "ऐसे टिडल की श्रेणियों में से प्रोन्नति जिन्होंने उस श्रेणी में पांच वर्ष सेवा की है" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात् :—

"ऐसे टिडल/बोट में से प्रोन्नति जिन्होंने पांच वर्ष सेवा की है या ऐसे मुखानी जिन्होंने दस वर्ष सेवा की है या ऐसे ज्येष्ठ डाक हैड जिन्होंने बारह वर्ष सेवा की है या ऐसे नाविक जिन्होंने सोलह वर्ष सेवा की है, या परन्तु जब उच्चतर श्रेणियों में पात्र पदधारी उपलब्ध नहीं होंगे तभी निम्नतर श्रेणी के पदधारियों पर विचार किया जाएगा :

परन्तु यह और कि यदि ऐसे पदधारी ने उस श्रेणी में पर्याप्त वर्षों की सेवा नहीं की है तो उसको निम्नतर श्रेणी/श्रेणियों में उसकी सेवा यदि कोई हो संबंधित किया जाएगा।"

[फा. सं. ए-12018/14/96-ए.डी-III-बी]

ओ. पी. आहुजा, अवर सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सा.का.नि. 842 तारीख 4-10-1986 द्वारा संशोधित किए गए थे और तत्पश्चात् सा.का.नि. 53 तारीख 23-1-88 द्वारा संशोधित किए गए।

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Revenue)

New Delhi, the 8th October, 1997

G.S.R. 351.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Group 'C' and 'D' posts of Marine Organisation of Customs and Central Excise Department Recruitment Rules, 1994.

1. (1) These rules may be called the Marine Organisation of Customs and Central Excise Department Groups 'C' and 'D' posts Recruitment (Amendment) Rules, 1997.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Marine Organisation of Customs and Central Excise Department Groups 'C' and 'D' posts Recruitment Rules 1994 against serial number 1 relating to the post of Skippermate;

(a) Under Column 10, for the Note, the following Note shall be substituted, namely :—

Note.—"Tindal/Sukhani/Senior Deckhand/Seamen having qualified Departmental Promotion Committee interview may be exempted from 9(a)(i) and (ii)".

(b) Under Column 13 for the words "Promotion from the grade of Tindal with minimum 5 years service in the grade" the following shall be substituted, namely :—

"Promotion from amongst Tindal/Boats with 5 years service or Sukhani with 10 years service or Senior Deckhand with 12 years service or Seaman with 16 years service: Provided that Officials in lower grade will be considered only if eligible officials in higher grades are not available :

Provided further that if an official does not have sufficient number of years of service in that grade, his/her services in the lower grade/s, if any will be taken into account."

[F. No. A-12018/14/96-AD-III-B]

O. P. AHUJA, Under Secy.

Foot Note.—The Principal rules were published vide G.S.R. 842 dated 4-10-1986 and subsequently amended vide G.S.R. 53 dated 23-1-1988.

ग्रामीण क्षेत्र एवं रोजगार मंत्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

नई दिल्ली, 26 सितम्बर, 1997

सांकांनि० 352.—जीरा बीज क्षेत्रीकरण और चिन्तांकन नियम, 1995 का प्रारूप, कृषि उपज (क्षेत्रीकरण और चिन्तांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 की अपेक्षांसार भारत सरकार के ग्रामीण क्षेत्र एवं रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना सं० सांकांनि० 468 तारीख 3 अक्टूबर, 1996 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) के पृष्ठ 2223 से 2230 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें ऐसे सभी व्यक्तियों से जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उस तारीख से, जिसको उक्त अधिसूचना में उक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, पैंतालीस दिन की अवधि की समाप्ति से पूर्व आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 2 जनवरी, 1997 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं,

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्राख्य नियमों की बबत जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर सम्बन्ध रूप से विचार कर लिया है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिन्हांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रबत शक्तियों का प्रयोग करते हुए और जीरा बीज श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1969 को अधिकृत करते हुए उन बातों के सिवाय जिन्हें ऐस अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, लागू होना और प्रारंभ :— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम जीरा बीज श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1997 है ।

(2) ये जीरा बीज (क्यूमिन साइमिनथ एल) साबुत और चूर्ण को लागू होंगे ।

(3) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रबत होंगे ।

2. परिभाषाएं :—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(क) “कृषि विपणन सलाहकार” से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है;

(ख) “प्राधिकृत पैकर” से ऐसा व्यक्ति या व्यक्तियों का निकाय अभिप्रेत है जिसे इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार उस वस्तु का श्रेणीकरण और चिन्हांकन करने के लिए प्राधिकार प्रमाणपत्र मंजूर किया गया है;

(ग) “प्राधिकार प्रमाणपत्र” से साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के अधीन जारी प्रमाणपत्र अभिप्रेत है ।

(घ) “अनुसूची” से इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची अभिप्रेत है ।

3. श्रेणी अभियान :—जीरा बीज और चूर्ण की क्वालिटी उपदर्शित करने के लिए श्रेणी अभियान अनुसूची III और IV के स्तम्भ (i) में वर्णित के अनुसार होंगे ।

4. क्वालिटी की परिभाषा :—ऐसे श्रेणी अभियान द्वारा उपदर्शित क्वालिटी अनुसूची-III के स्तम्भ 2 से 8 और अनुसूची IV के स्तम्भ 2 से 7 में प्रत्येक श्रेणी अभियान के सामने यथावर्णित प्रकार की होगी ।

5. श्रेणी अभिधान चिन्ह :—श्रेणी अभिधान चिन्ह में निम्नलिखित होंगे ।

(i) वस्तु का नाम, श्रेणी अभिधान, विनिर्दिष्ट करने वाला लेबल, जिस पर एगमार्क शब्द सहित

इन होगा तथा अनुसूची I में उपवर्णित से मिलता-जुलता उभते सूरज का चिन्ह होगा ।

(ii) “एगमार्क प्रतिकृति” में एक डिजाइन होगा जिसमें प्राधिकार प्रमाणपत्र की संख्या “एगमार्क शब्द वस्तु का नाम, श्रेणी अभिधान होगा जो अनुसूची II में उपवर्णित से मिलता-जुलता होगा ।

परन्तु यह कि एगमार्क के लेबलों के स्थान पर एगमार्क प्रतिकृति के उपयोग को केवल उस प्राधिकृत पैकर को अनुज्ञा दी जाएगी जिसे कृषि विपणन सलाहकार या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के अधीन यथा-विनिर्दिष्ट शर्तों के अवन रहते हुए अनुज्ञा दी गई है ।

6. चिन्हांकन की पद्धति (1) श्रेणी अभिधान चिन्ह को प्रत्येक आधान पर सुरक्षित रूप से लगाया जाएगा या स्पष्ट और अमिट रूप से मुद्रित किया जाएगा ।

(2) श्रेणी अभिधान चिन्ह के अतिरिक्त प्रत्येक आधान पर निम्नलिखित विनिर्दिष्टियां स्पष्ट और अमिट रूप से चिन्हित की जाएगी :—

(क) पैकर का नाम और पता

(ख) पैक करने की तारीख, मास और वर्ष में,

(ग) पैक करने का स्थान,

(घ) शुद्ध भार,

(ङ) लाट/वैच संख्या,

(च) अवसान तिथि,

(छ) कीमत,

(3) कोई प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी के पूर्वानुमोदन से साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के नियम 11 के अनुसार अपने प्राध्वेत व्यापार चिन्ह या व्यापार श्रांड को श्रेणीकृत पैकेजों/आधानों पर चिपका सकेगा, परन्तु यह तब जबकि वह, इन नियमों के अनुसार श्रेणीकृत पैकेजों/आधानों पर चिपकाए गए श्रेणी अभिधान चिन्ह द्वारा उपदर्शित क्वालिटी या श्रेणी से भिन्न न हो ।

7. पैक करने की पद्धति :—(1) श्रेणीकृत वस्तु को स्वच्छ, मजबूत और शुष्क आधानों जैसे जूट के थैलों, काड़े के थैलों, पालिप्रोपिलिन, धातवीकृत पालिस्टर, पालिथिलिन पर्दालित पाउचों, गत्ते के बक्सों, टिन, कांच या प्लास्टिक के आधानों, लड़की के बक्सों या अन्य किसी ऐसी सामग्री में जो कि कृषि विपणन सलाहकार या इस निमित्त उनके द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा, साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1938 के नियम 11 के अनुसार अनुमोदित किया जाए, पैक किया जाएगा ।

परन्तु यह तब जबकि पैकिंग सामग्री खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम 1955 के प्रबत अनुज्ञा प्राप्त खाद्य श्रेणी की हो ।

(2) चूर्णीकृत जीरा के बीज को जुट के थैलों, कपड़े के थैलों, गत्ते के बक्सों में पैक करने के लिए कम से कम 100 माइक्रोन मोटाई के पोलिथिलीन या पोलोपाईलिन का उपयोग किया जाएगा। उपर्युक्त मोटाई के पोलिथिलीन, पोलिप्रोपाईलिन का प्रयोग जीरा बीज को पैकिंग में भी किया जाएगा।

(3) आधान कीटग्रसन, कवक संदूषण, विपैले पदार्थों या किसी अवांछित दुर्गन्ध से मुक्त होगा;

(4) प्रत्येक पैकेज में केवल एक श्रेणी अभिधान की श्रेणीकृत सामग्री होगी और उसी लाट/बैच तथा श्रेणी अभिधान को श्रेणीकृत सामग्री के छोटे पैकों की, बृहत् आधानों पर बांधने और लेबल का उपयोग करके बृहत् आधानों में पैक किया जा सकेगा।

(5) प्रत्येक आधान को सुरक्षित रूप से बंद और सील किया जाएगा।

8. प्राधिकार प्रमाण पत्र के लिए विशेष शर्तें—साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के नियम 3 के उपनियम (7) में विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त इन नियमों के अधीन जीरा बीज (साबुत और चूर्ण) के श्रेणीकरण और चिन्हांकन के लिए प्राधिकार प्रमाणपत्र देने के लिए निम्नलिखित विशेष शर्तें होंगी, अर्थात् :—

(1) जीरे के बीजों (साबुत और चूर्ण) के प्रसंस्करण और पैकिंग के लिए परिसर का रखरखाव पूर्ण रूप से स्वास्थ्यकर और स्वच्छ दशा में किया जाएगा और इन संक्रियाओं में लगे कार्मिक स्वच्छ और किसी भी प्रकार के संक्रामक रोग से मुक्त होंगे;

(2) प्राधिकृत पैकर, जहां भी आवश्यकता हो वस्तु को सुखाने, साफ करने और पोषण के लिए उपयुक्त मशीनरी और उपस्कर रखेगा;

(3) प्राधिकृत पैकर—

(क) या तो अपनी प्रयोगशाला स्थापित करेगा या

(ख) वस्तु का श्रेणीकरण करने के लिए अनुमोदित राज्य श्रेणीकरण प्रयोगशाला या निजी वाणिज्यिक या सहाकारी/संगम प्रयोगशाला में पहुंच रखेगा,

(4) श्रेणीकरण प्रयोगशाला वस्तु की जांच करने के लिए सभी आवश्यक रसायनों और साध्यों से पूर्ण रूप से सुसज्जित होगी,

(5) श्रेणीकरण प्रयोगशाला का संचालन कृषि विपणन सलाहकार या इस संबंध में साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1998 के नियम 9 के अनुसार इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा अनुमोदित अर्हित रसायनज्ञ द्वारा किया जाएगा,

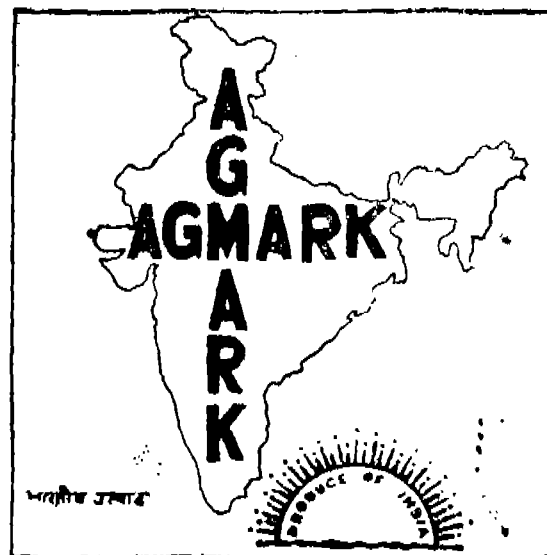
(6) वस्तु का श्रेणीकरण क और चिन्हांकन करने के लिए प्राधिकृत पैकर अनुमोदित रसायनज्ञ को सभी आवश्यक सुविधाएँ और सहायता उपलब्ध करवाएगा,

(7) प्राधिकृत पैकर जीरे के बीजों (साबुत और चूर्ण) के विश्लेषण और श्रेणीकरण का उचित अभिलेख रखेगा।

अनुसूची— I

[नियम 5 (i) देखिए]

एगमार्क लेबल का डिजाइन



## अनुसूची—II

[ नियम 5 (ii) देखिए ]

एगमार्क प्रतिकृति का डिजाइन



वस्तु का नाम \_\_\_\_\_  
श्रेणी \_\_\_\_\_

## अनुसूची—III

( नियम 3 और 4 देखें )

जीरे के बीजों की क्वालिटी का श्रेणी अभिधान और परिभाषाएँ

## क्वालिटी की परिभाषाएँ

## विशेष अभिलक्षण

श्रेणी अभिधान	द्रव्यमान के प्रतिशत से बाह्य पदार्थ	द्रव्यमान के प्रतिशत से जीरे से भिन्न खाद्य बीज	द्रव्यमान के प्रतिशत से क्षतिग्रस्त विवर्णित और घुन लगे हुए बीज	द्रव्यमान के प्रतिशत से सिकुड़े हुए तथा अपरिपक्व बीज	द्रव्यमान से नमी का प्रतिशत	वाष्पशील तेल मिली./ 100 ग्राम
	(अधिकतम)	(अधिकतम)	(अधिकतम)	(अधिकतम)	(अधिकतम)	(न्यूनतम)
1	2	3	4	5	6	7
श्रेणी—I	1.5	1.5	1.5	1.5	1.5	1.8
श्रेणी—II	2.5	4.0	2.5	3.0	10.5	1.0
श्रेणी—III	3.5	5.0	3.5	4.0	11.0	0.5
श्रेणी—I	5.0	5.0	5.0	5.0	11.0	0.5
अविनिर्दिष्ट	—	—	—	—	11.0	—

## साधारण अभिलक्षण

8

जीरे के बीज—

- (क) क्युमिनम साइमिनम एल पौधे के सुखे बीज होंगे ;  
 (ख) किस्म प्रकार के अनुसार विशेषताएं, आकार, आकृति, रंग, स्वाद और सौरभ होगा ;  
 (ग) दृश्य फफूंदी या कीट संदूषण, मस्टी, गंध, हानिप्रद बाह्य पदार्थ, कृतक संदूषण अतिरिक्त रंजक पदार्थ से मुक्त होगा ;  
 (घ) एकलाटाक्सिन की मात्रा, घात्विक संदूषण, नाशी जीव एवं कीटनाशी अवशेष, विषाक्त धातु, फसल संदूषण तथा प्राकृतिक रूप से उत्पन्न टाक्सिक पदार्थों के संबंध में खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के निर्बंधनों का अनुपालन होगा ।

स्पष्टीकरण :—

- बाह्य पदार्थ : रेत, धूल, पत्थर, टुकड़े, कृत, तना शल्क या भसा, भूसी, मिट्टी का टुकड़ा या अन्य कोई अशुद्धता शामिल है ।  
 खाद्य बीज : इसमें अन्य बीज और जोराल शामिल हैं ।  
 क्षतिग्रस्त अपवर्णित बीज : ये ऐसे बीज हैं जो आंतरिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं और अपवर्जित हैं ।  
 सिकुड़े हुए और अपरिपक्व बीज : वे बीज हैं जिसका समुचित रूप से विकास नहीं हुआ है ।  
 घन लगे हुए बीज : वे बीज हैं जिन्हें घुन या कीटों द्वारा अंशतः या पूर्णतः छिद्र कर दिया गया है या खा लिया गया है ।  
 गैर-विनिर्दिष्ट : गैर-विनिर्दिष्ट श्रेणी के अधीन जीरे के बीजों का निर्यात विदेशी क्रेता से फर्म के आदेश की शर्तों के अधीन रहते हुए होगा, जो अपेक्षानुसार उसकी क्वालिटी और मात्रा उप-दर्शित करेगा ।

## अनुसूची—IV

(नियम 3 और 4 देखें )

चूर्णकृत जीरे के बीजों को क्वालिटी की श्रेणी अभिधान और परिभाषाएं

## क्वालिटी की परिभाषा

## विशेष अभिलक्षण

श्रेणी अभिधान	द्रव्य मान से नमी का प्रतिशत	शुष्क भार के आधार पर कुल भस्म का द्रव्यमान का प्रतिशत	शुष्क भार के आधार पर द्रव्यमान के प्रतिशत से अम्ल में उघनलनशील भस्म	द्रव्यमान के प्रतिशत-शुष्क भार के आधार पर अत्राव्यशील ईंधन सार	वाष्पशील तेल मिली-लीटर 100 ग्राम
	(अधिकतम)	(अधिकतम)	(अधिकतम)	(न्यूनतम)	(न्यूनतम)
1	2	3	4	5	6
श्रेणी—I	10.0	8.0	1.5	10.0	1.5
श्रेणी—II	12.0	9.5	1.5	10.0	1.0

## साधारण अभिलक्षण

7

- (क) जीरे के बीज (चूर्ण) सूखे हुए जीरे के साबुत बीजों को पीस कर अभिप्राप्त सामग्री होगी ।  
 (ख) वह अधिमिश्रण, फफूंदी लगने, कीट, कृतक घसन, मस्टी गंध, विकृत गंधिता, बाह्य पदार्थ और अतिरिक्त रंजक पदार्थों से मुक्त होगा ।  
 (ग) यह स्थूल कणों से मुक्त होगा ।  
 (घ) एकलाटाक्सिन की मात्रा, घात्विक संदूषण, नाशी जीव एवं कीटनाशक अवशिष्ट, विषाक्त धातु, फसल संदूषण, प्राकृतिक रूप से उत्पन्न टाक्सिक पदार्थ के संबंध में खाद्य उपमिश्रण निवारक नियम, 1955 के अधीन यथा विनिर्दिष्ट निर्बंधनों का अनुपालन किया जाएगा ।

[फा सं 1 18011/9/95-एम-II]

बी एन मिश्र, आधिक सहायक

## MINISTRY OF RURAL AREAS AND EMPLOYMENT

(Department of Rural Development)

New Delhi, the 26th September, 1997

G.S.R. 352.—Whereas the draft of the Cumin Seeds Grading and Marking Rules, 1995 were published, as required by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), under the notification of the Government of India in the Ministry of Rural Areas and Employment number G.S.R. 468 dated the 3rd October, 1996 at pages 2223 to 2230 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, before the expiry of the period of forty-five days from the date on which the copies of the Gazette containing the said notification are made available to the public;

And whereas copies of the said Gazette were made available to the public on the 21st January, 1997;

And whereas the objections and suggestions received from the public in respect of the said draft rules have been duly considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 and supersession of the Cumin Seeds Grading and Marking Rules, 1969, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

### 1. Short title, application and commencement.—

(1) These rules may be called the Cumin Seeds Grading and Marking Rules, 1997.

(2) These shall apply to Cumin Seeds (*Cuminum Gyminum* L.) whole and powdered.

(3) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

### 2. Definition.—In these rules, unless the context otherwise requires.

- (a) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India;
- (b) "Authorised Packer" means a person or a body of persons who has been granted certificate of authorisation to grade and mark the commodity in accordance with the provisions of these rules;
- (c) "Certificate of Authorisation" means a certificate issued under the provisions of General Grading and Marking Rules, 1988;
- (d) "Schedule" means a schedule appended to these rules.

3. Grade designation.—The grade designation to indicate the quality of Cumin Seeds and powder shall be as set out in column 1 of Schedule III and IV.

4. Definition of quality.—The quality indicated by such grade designation shall be as set out against each grade designation in columns 2 to 8 of Schedule III and 2 to 7 of Schedule IV.

5. Grade designation mark.—The grade designation mark shall consist of :—

- (i) A label specifying name of the commodity, grade designation and bearing a design consisting of an outline map of India with the word "AGMARK" and figure of the rising sun and resembling the one as set-out in Schedule I, or
- (ii) "Agmark Replica" consisting of a design incorporating the number of certificate of authorisation, the word "AGMARK", name of the commodity and grade designation resembling the one as set out in Schedule II;

Provided that the use of Agmark Replica in lieu of Agmark labels shall be allowed only to such authorised packers who have been granted permission by the Agricultural Marketing Adviser or officer authorised by him in this regard and subject to the conditions as specified under the General Grading and Marking Rules, 1988.

6. Method of Marking.—(1) The grade designation mark shall be securely affixed to or clearly and indelibly printed on each container:

(2) In addition to the grade designation mark, the following particulars shall be clearly and indelibly marked on each container.—

- (a) Name and address of packer;
- (b) Date of packing in month and year;
- (c) Place of packing;
- (d) Net weight;
- (e) Lot/Batch number;
- (f) Date of expiry;
- (g) Price.

(3) An authorised packer may, after obtaining prior approval of the Agricultural Marketing Adviser or any officer authorised by him in this behalf, in accordance with rule 11 of the General Grading and Marking Rules, 1988, affix his private trade mark or trade brand on graded packages/containers provided that the same does not indicate quality or grade other than that indicated by the grade designation mark affixed to the graded packages/containers in accordance with these rules.

7. Method of packing.—(1) The graded material shall be packed in clean, sound and dry containers such as jute bags, cloth bags, polypropylene, metallised polyester, polyethylene laminated pouches, cardboard cartons, tin, glass or plastic containers, wooden cases or any other

material as may be approved by the Agricultural Marketing Adviser or any other officer authorised by him in this behalf as per rule 11 of the General Grading and Marking Rules, 1988.

Provided that the packing materials shall be manufactured out of food grade materials as permitted under the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955;

(2) Lining of polyethelene, polypropylene of 100 micron shall be used in packing or powdered cumin seeds in jute bags, cloth bags or cardboard cartons. Lining of polyethelene, polypropylene shall be used in cumin seed.

(3) The containers shall be free from insect infestation, fungus contamination, deleterious substance or any undesirable smell.

(4) Each package shall contain graded materials of one grade designation only. Small pack containing graded materials or the same lot/batch and grade designation may be packed in a large master container using lie-on label with details on master containers.

(5) Each container shall be securely closed and sealed.

8. Special conditions of certificate of authorisation.—In addition to the general conditions specified in sub-rule (8) of rule 3 of the General Grading and Marking Rules, 1988 the following shall be the special conditions for grant of certificate of authorisation for grading and marking of Cumin Seeds (Whole and powdered) under these rules namely :—

- (1) The premises for processing and packing of Cumin Seeds (Whole and powdered) shall be maintained in perfect hygienic and sanitary conditions and personnel engaged in these operations shall be in sound health and free from any contagious disease.
- (2) The authorised packer shall own a suitable machinery and equipment, wherever requires for drying, cleaning and grinding of the commodity;
- (3) The authorised packer shall,—
  - (a) either set up own laboratory, or
  - (b) have access to an approved State Grading Laboratory or Private commercial or co-operative association laboratory for grading of the commodity;
- (4) The grading laboratory shall be fully equipped with all necessary chemicals and apparatus for testing the commodity;

(5) The grading laboratory shall be manned by a qualified chemist approved by the Agricultural Marketing Adviser or any officer authorised by him in this behalf in accordance with rule 9 of the General Grading and Marking Rules, 1988;

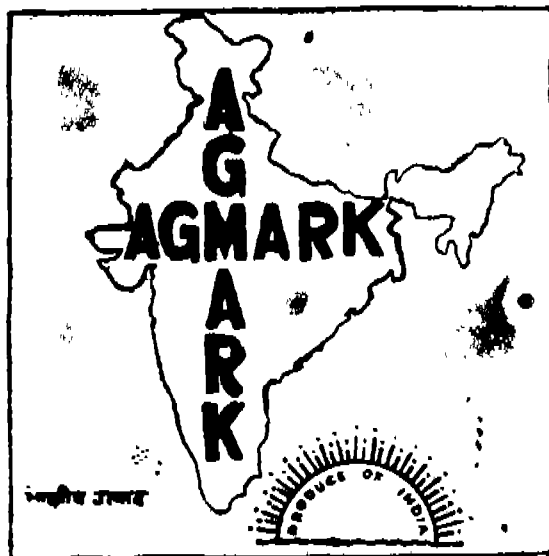
(6) The authorised packer shall provided all necessary facilities and assistance to the approved chemist for carrying out the grading and marking of the commodity.

(7) The authorised packer shall maintain proper records of the analysis and grading of Cumin Seeds (Whole and powdered).

#### SCHEDULE I

[See Rule 5(i)]

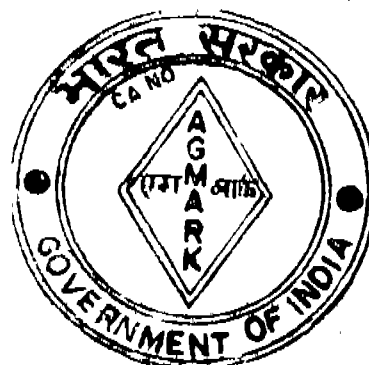
#### DESIGN OF THE AGMARK LABEL



#### SCHEDULE II

[See Rule (ii)]

#### DESIGN OF AGMARK REPLICA



NAME OF COMMODITY \_\_\_\_\_  
GRADE \_\_\_\_\_



## SCHEDULE-III

(See rules 3 and 4)

## Grade designations and definitions of quality of Cumin seeds

Grades designations	Definition of quality					
	Special Characteristics					
	Extraneous matter % by mass (maximum)	Edible seeds other than Cumin % by mass (maximum)	Damaged dis-coloured and weevilled seeds % by mass (maximum)	Shrivelled and immature seeds % by mass (maximum)	Moisture % by mass (maximum)	Volatile oil ml/100 gms. (minimum)
1	2	3		5	6	7
Grade-I	1.5	1.5	1.5	1.5	10.0	1.0
Grade-II	2.5	4.0	2.5	3.0	10.0	1.0
Grade-III	3.5	5.0	3.5	4.0	11.0	0.5
Grade-IV	5.0	5.0	5.0	5.0	11.0	0.5
Non-Specified	—	—	—	—	11.0	—

## General characteristics

8

The Cumin seeds shall :—

- be dried seeds of the plant *Cuminum Cyminum* L.;
- have the characteristics, size, shape, colour, taste and aroma to the variety/type ;
- be free from visible mould or insect infestation, musty odour, harmful foreign matter, rodent contamination, added colouring matter; and
- comply with the restrictions in regard to aflatoxin content, metallic contaminants, pesticide and insecticide residue, poisonous metals, crop contaminants and naturally occurring toxic substance as specified under the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955.

## Explanation :—

Extraneous matter	—includes dirt, dust, stones, pieces, stalks, chaff stem or straw lumps of earth or any other impurity.
Edible seeds	—includes other seeds and jeeralu.
Damaged discoloured seeds	—are those seeds which are internally damaged and discoloured, materially affecting the quality.
Shrivelled and Immature seeds	—are those seeds which are not properly developed.
Weevilled seeds	—are those seeds that are partially or wholly bored or eaten by weevil or other insects.
Non-Specified	—Export of Cumin seeds under non-specified grade shall be subject to the conditions of a firm order from foreign buyer which shall indicate the quality and the quantity, required.

**SCHEDULE-IV**  
(See rules 3 and 4)

Grades designations and definitions of quality of Cumin seed powder

Grade designation	Definition of quality				
	Special characteristics				
	Moisture % by mass	Total ash on dry weight basis % by mass. (maximum)	Acid in soluble ash on dry weight basis % by mass (maximum)	Non Volatile other extract on dry weight basis % by mass. (minimum)	Volatile oil ml/100 gm. (minimum)
1	2	3	4	5	6
Grade I	10.0	8.0	1.5	10.0	1.5
Grade II	12.0	9.5	1.5	10.0	1.5

General characteristics

7

- (a) Cumin seeds (powdered) shall be the material obtained by grinding dried cumin seeds whole;
- (b) It shall be free from admixture, mould growth, insect infestation, rodent contamination, musty odour, rancidity, foreign matter and added colouring matter;
- (c) It shall be free from coarse particles;
- (d) It shall comply with the restrictions in regard to aflatoxin content, metallic contaminants, pesticides and insecticides residues, poisonous metals, crop contaminants naturally occurring toxic substances and as specified under the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955.

[File No. 18011/9/95-M-II]

V.N. MISRA, Economic Adviser

पर्यावरण और वन मंत्रालय

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1997

सा.का.नि. 353.—भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) में प्रकाशित भारत सरकार के पर्यावरण और वन मंत्रालय (वन शिक्षा निदेशालय, देहरादून) की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 133 तारीख 12 फरवरी, 1996 की अनुसूची के स्तम्भ 12 में, पंक्ति सं. 6 में प्रधान लिपिक या उच्च श्रेणी लिपिक शब्दों के स्थान पर "प्रधान लिपिक और उच्च श्रेणी लिपिक पढ़।

[फा. सं. 9-10/91-एफ ई]

एन. भट्टाचार्य, अवर सचिव

टिप्पण :—मूल नियम, ता. 16 मार्च, 1996 के भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) के पृष्ठ सं. 653-658 पर सा.का.नि. 133 ता. 12 फरवरी, 1996 के अधीन प्रकाशित किए गए थे।

**MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS**  
**CORRIGENDUM**

New Delhi, the 1st October, 1997

G.S.R. 353.—In the Notification of the Government of India in the Ministry of Environment and Forests Directorate of Forest Education, Dehradun) No. G.S.R. 133, dated the 12th February, 1996 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (i), in Column 12 in the Schedule, for line six "service in the grade of Head Clerks or" read "service in the grade of Head Clerks and."

IF. No. 9-10/91-FEI

N. BHATTACHARYA, Under Secy.

Note :—Principal rules were published on pages 653-658, dated the 16th March, 1996 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (i) vide G.S.R. 133, dated the 12th February, 1996.

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1997

सा. का. नि. 354.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, वन शिक्षा निदेशालय, देहरादून और उसके घटक महाविद्यालय (समूह "घ" पद) भर्ती नियम, 1992 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं; अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वन शिक्षा निदेशालय, देहरादून और उसके घटक महाविद्यालय (समूह "घ" पद) (संशोधन) भर्ती नियम, 1997 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रदत्त होंगे।

2. वन शिक्षा निदेशालय, देहरादून और उसके घटक महाविद्यालय (समूह "घ" पद) भर्ती नियम, 1992 की अनुसूची में, तकनीकी सहायक श्रेणी 3/प्रयोगशाला परिचर के पद से संबंधित क्रम संख्यांक 9 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्यांक और प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात्:—

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं
-----------	----------------	----------	---------	---------------------	---	--

1	2	3	4	5	6	7
"9. प्रयोगशाला परिचर	9* (1997) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "घ" अराजपक्षित, अननुसन्धिवीय	775-12-871-14-955-15-1030-20-1150 रु.	अचयन	लागू नहीं होता	नहीं

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू होगी या नहीं।

8	9	10
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	2 वर्ष

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा

11

12

प्रोन्नति द्वारा निम्नलिखित वेतनमान में ऐसे समूह "घ" कर्मचारी जिनके पास आठवीं कक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाणपत्र है और जिन्होंने व्यावसायिक परीक्षण के आधार पर अपनी श्रेणी में पांच वर्ष नियमित सेवा की है।

लागू नहीं होता

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

13

14

1. कार्यालय का प्रधान	—अध्यक्ष	लागू नहीं होता
2. संबद्ध महाविद्यालय का प्राध्यापक/अनुदेश	—सदस्य	
3. किसी बाहरी कार्यालय से समुचित हैसियत का एक अधिकारी (अध्यक्ष द्वारा नामनिर्देशित किया जाएगा)	—सदस्य	

[फा. सं. 9-4/94-एफई]

एन. भट्टाचार्य, अवसर सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम भारत के राजपत्र में सां० का० नि० संख्यांक 350 तारीख 1 जुलाई, 1992 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

New Delhi, the 6th October, 1997

(Amendment) Recruitment Rules, 1997.

G.S.R. 354.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution the President hereby makes the following rules to amend the Directorate of Forest Education, Dehra Dun and its Constituent Colleges (Group 'D' posts) Recruitment Rules, 1992, namely :—

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

1. (1) These Rules may be called the Directorate of Forest Education, Dehra Dun and its Constituent Colleges (Group 'D' posts)

2. In the Schedule to the Directorate of Forest Education, Dehra Dun and its Constituent Colleges (Group 'D' posts) Recruitment Rules, 1992, for Serial 9 relating to the post of Technical Assistant Grade III/Laboratory Attendant and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be substituted, namely :—

## SCHEDULE

Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruitment
1	2	3	4	5	6
'9' Laboratory Attendant.	9* (1997) *Subject to variation dependent on work load.	General Central Service Group 'D' Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 775-12-871-14-955-15-1030 20-1150.	Non-Selection.	Not applicable.

Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Service Pension Rules, 1992.	Educational and other qualification required for direct recruitment.	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruit will apply in the case of promotees.	Period of probation if any.	Method of recruitment Whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.
7	8	9	10	11
No.	Not applicable	Not applicable	2 years <sup>1</sup>	By promotion: Group 'D' employees in the lower scale possessing VIIIth Class Pass Certificate and five year regular service in the respective grade on the basis of 'Trade Test.
In case of Promotion/Deputation/Transfer/grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.	Committee exists,		Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
Not applicable	1. Head of the Office 2. Lecturer/Instructor of the College concerned. 3. An Officer of appropriate status from an outside office (to be nominated by the Chairman).	—Chariman —Member —Member		Not applicable.

[F. No. 9-4/94-FE]

N. BHATTACHARYA, Under Secy.

Foot Note :—The Principal Rules were published in the Gazette of India vide number GSR 350 dated the 1st July, 1992.

## MINISTRY OF COAL

## CORRIGENDUM

New Delhi, the 23rd September, 1997

G.S.R. 355.—In the Coal Mines Provident Fund (Employee's Recruitment) Amendment Rules, 1996, published in the Notification of the Government of India in the Ministry of Coal, G.S.R. 241, dated the 27th May, 1996, at pages 1044 to 1049 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 8th June, 1996 ;

At page 1048, in the Schedule, in the entries under column 10 of Sl. No. 8 relating to Provident Fund

Inspector, in lines 1, 2 and 3, for "By promotion failing which by :—

(i) 50% by deputation ;

(ii) 50% by direct recruitment."

read "(i) 50% by promotion failing which by deputation ;

(ii) 50% by direct recruitment."

[No. 20/8/90-ASOI]

G. B. MUKHERJI, Jt. Secy.

